Documentary Films on Export Publicity

1851. { **Shri A. V. Raghavan:** / **Shri Pottekkatt:** }

Will the Minister of **International Trade** be pleased to state:

(a) whether it is proposed to establish a unit to produce documentary films for export publicity abroad;

(b) the place where the unit will be established; and

(c) the number of documentary films likely to be produced in a year?

The Minister of Industry (Shri Kanungo): (a) A cell is being set up in the Directorate of Comercial Publicity which would help Export Promotion Council, Commodity Boards etc., in the production of documentary films required for export publicity abroad.

(b) Delhi.

(c) To begin with, five documentary films have been taken up for production during 1964-65.

हीरे की खानों का विकास

१८५२. **श्रीमती चावडा** : क्या इस्पात, खान और भारी इंजीनियरिंग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) हीरे की खानो के विकास पर राष्ट्रीय खनिज विकास निगम द्वारा तीसरी पंचवर्षीय योजना अवधि में अभी तक कुल कितनी रकम खर्च की जा चुकी है ; और

(ख) अब तक कितने रुपये का हीरा निकला और उनकी बिक्री से यदि कुछ लाभ हुआ है तो वह कितना है ?

इस्पात, खान तथा भारी इंजीनियरिंग मंत्री (श्री चि० सुब्रह्मण्यम) : (क) फरवरी १९६४ के अन्त तक ९०.२७ लाख रुपया ।

(ख) खानों का व्यापारिक उपयोग (commercial exploitation) अभी प्रारम्भ नहीं हुआ । फरवरी, १९६४ के अन्त तक समुपयोजन कार्य (exploratory work) के दौरान मे १८०० कैरट हीरे निकाले गए थे, जिन के मूल्य का अनुमान लगभग ६.४७ लाख रुपया है । इस मात्रा में से ८११ कैरट मार्च १९६४ मे नीलामी के द्वारा बेचे गये जिससे ३.६३ लाख रुपया प्राप्त हुआ, जिसमें से राज्य सरकार को स्वामित्व (royalty) भी दिया जाना है ।

फिरोजाबाद का कांच और चूड़ी का उद्योग

१८५३. { **श्री रामसेवक यादव** : / **श्री ओंकार लाल बेरवा** : }

क्या **उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) फिरोजाबाद के कांच व चूड़ी उद्योग को, सोडा ऐश की कीमत पर से नियंत्रण हटने के बाद, उचित कीमत पर तथा उचित मात्रा में देशी सोडा एश सप्लाई किये जाने के बारे में क्या प्रबन्ध किया गया है ; और

(ख) फिरोजाबाद के ग्लास इंडस्ट्रियल सिन्डीकेट की ओर से १७ अप्रैल, १९६३ को दिये गये ज्ञापन पर क्या कार्यवाही की गई ?

उद्योग मंत्री (श्री कानूनगो) : (क) सोडा एश के मूल्य पर नियंत्रण समाप्त होने के बाद उपभोक्ता अपनी सोडा ऐश की आवश्यकताओं की पूर्ति उत्पादको और उनके वितरकों से स्वयं ही प्रत्यक्ष रूप से करते हैं ।

(ख) उत्तर प्रदेश सरकार और सोडा एश के उत्पादकों से परामर्श करने के बाद फिरोजाबाद के चूड़ी और कांच के कारखानों के लिए ६०० टन सोडा एश की सप्लाई हर महीने के लिए नियत की गई थी ।